STUDY NOTES · BASIC CONCEPT

मलक्का स्ट्रेट पर ‘टोल ’ की बहस:

क्या इंडोनेशिया भी ईरान के

रास्ते पर?

International Relations
26 Apr 2025

मलक्का स्ट्रेट की रणनीतिक अहमियत
मलक्का स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में
से एक है, जो हिंद महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ता है। यह
जलडमरूमध्य इंडोनेशिया , मलेशिया और सिंगापुर के बीच स्थित है और
हर साल लगभग 1 लाख से अधिक जहाज यहां से गुजरते हैं। तेल टैंकर ,
कंटेनर शिप और बल्क कैरियर के लिए यह सबसे छोटा और सस्ता रास्ता है,
जिससे मध्य पूर्व , एशिया और यूरोप के बीच व्यापार होता है। इस कारण
इसे वैश्विक सप्लाई चेन की “लाइफलाइन ” माना जाता है।

इंडोनेशिया की ‘टोल सपना -योजना ’ क्या है?
ईरान द्वारा Strait of Hormuz पर जहाजों से ट्रांजिट शुल्क वसूलने की
चर्चा के बाद इंडोनेशिया में भी ऐसी सोच उभरी। इंडोनेशिया के
वित्त मंत्री ने संकेत दिया कि अगर इतना व्यस्त समुद्री मार्ग
उनके नियंत्रण में है, तो उससे राजस्व कमाने के विकल्प क्यों न
तलाशे जाएं। इस “टोल आइडिया ” के तहत मलक्का स्ट्रेट से गुजरने वाले
जहाजों से शुल्क लेने की कल्पना की गई, जिससे देश को अरबों डॉलर का
राजस्व मिल सकता है। साथ ही इंडोनेशिया ने मलेशिया और सिंगापुर को
भी इस योजना में शामिल करने की बात कही।

भारत -चीन सहित दुनिया में चिंता क्यों बढ़ी ?
अगर मलक्का स्ट्रेट पर टोल लागू होता, तो इसका सीधा असर भारत, चीन,
जापान और दक्षिण कोरिया जैसे बड़े आयातक देशों पर पड़ता। ये देश
अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इस मार्ग पर निर्भर हैं। टोल लगने से
शिपिंग लागत बढ़ती , जिससे तेल, गैस और अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों
में उछाल आता। इससे वैश्विक महंगाई बढ़ सकती थी और सप्लाई चेन पर

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

दबाव पड़ता , खासकर ऐसे समय में जब दुनिया पहले ही कई भू -राजनीतिक
तनावों से जूझ रही है।

अंतरराष्ट्रीय कानून (UNCLOS) क्या कहता है?
United Nations Convention on the Law of the Sea के तहत अंतरराष्ट्रीय जलडमरूमध्य (
जैसे मलक्का स्ट्रेट) में “ट्रांजिट पैसेज ” का सिद्धांत लागू होता
है। इसका मतलब है कि सभी देशों के जहाज बिना किसी रुकावट या
अतिरिक्त शुल्क के इन मार्गों से गुजर सकते हैं। इसलिए मलक्का
स्ट्रेट पर टोल लगाने का विचार कानूनी और कूटनीतिक विवाद खड़ा कर
सकता था, क्योंकि यह वैश्विक समुद्री स्वतंत्रता के सिद्धांत के
खिलाफ माना जाएगा।

इंडोनेशिया का यू -टर्न : क्या बदला रुख?
जब यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया, तो इंडोनेशिया
ने तुरंत अपना रुख नरम कर लिया। विदेश मंत्री और वित्त मंत्री
दोनों ने स्पष्ट किया कि फिलहाल मलक्का स्ट्रेट पर किसी तरह का टोल
लगाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने दोहराया कि देश
अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करता है और वैश्विक समुद्री
मार्गों को खुला रखने के पक्ष में है।

आगे क्या ? वैश्विक राजनीति में संकेत
यह पूरा घटनाक्रम सिर्फ एक आर्थिक प्रस्ताव नहीं, बल्कि एक
रणनीतिक संकेत भी है। इंडोनेशिया ने यह दिखा दिया कि वह अपने
भौगोलिक नियंत्रण का इस्तेमाल आर्थिक और राजनीतिक दबाव बनाने के
लिए कर सकता है। भविष्य में अगर वैश्विक तनाव बढ़ते हैं, तो ऐसे “टोल
आइडिया ” फिर से चर्चा में आ सकते हैं, जिससे समुद्री व्यापार और भू -
राजनीति दोनों प्रभावित होंगे।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias